असंतोषजनक अंकों की जांच एवं समीक्षा हेतु गठित समिति की अनुशंसाएं

भोपाल, 12 फरवरी, 2019: विश्वविद्यालय में छात्रों को प्राप्त हुए असंतोषजनक अंकों की जांच एवं समीक्षा हेतु विश्वविद्यालय ने एक समिति गठित की है। इसमें डॉ. पवित्र श्रीवास्तव, विभागाध्य्क्ष, जनसंपर्क एवं विज्ञापन विभाग, डॉ. श्रीकांत सिंह, विभागाध्यक्ष, इलेक्ट्रानिक मीडिया एवं डॉ. संजीव गुप्ता, विभागाध्यक्ष, मीडिया शोध विभाग सदस्य थे। समिति ने अनुशंसा की है कि रिजल्ट प्रोसेसिंग की प्रक्रिया का दायित्व संभाल रही एजेंसी से तत्काल प्रभाव से उक्त् कार्य वापस लिया जाये एवं विद्यार्थियों को आवेदन के आधार पर नि:शुल्क पुनर्मूल्यांकन की सुविधा प्रदान की जाये। विश्वविद्यालय द्वारा घोषित परीक्षा परिणामों को वापस लिया जाये। कुलपति श्री पी. नरहरि ने निर्देश प्रदान किये हैं कि रिजल्ट प्रोसेसिंग का कार्य संभाल रही एजेंसी को ब्लैकलिस्ट किया जाये एवं उसका अनुबंध निरस्त किया जाये। कुलपति ने यह भी निर्देश प्रदान किए कि भविष्य में परिणामों की घोषणा के पूर्व संबंधित शैक्षणिक विभागों के विभागाध्यक्ष और एक शिक्षक परिणामों का समुचित परीक्षण कर लें। श्री नरहरि ने भविष्य में इस तरह की गलती नहीं दोहराए जाने के निर्देश भी दिए। विश्वविद्यालय में संचालित अन्य पाठ्यक्रमों के परिणामों के 5 प्रतिशत सेम्पल का अनिवार्य रुप से परीक्षण किया जाये और तत्पश्चात ही उनका परीक्षा परिणाम घोषित किया जाये। उन्होंने यह भी निर्देश प्रदान किए कि परीक्षा विभाग में परिणाम घोषणा का प्रभार संभाल रहे सहायक कुलसचिव को तत्काल प्रभाव से अन्य विभाग में स्थानांतरित किया जाये।